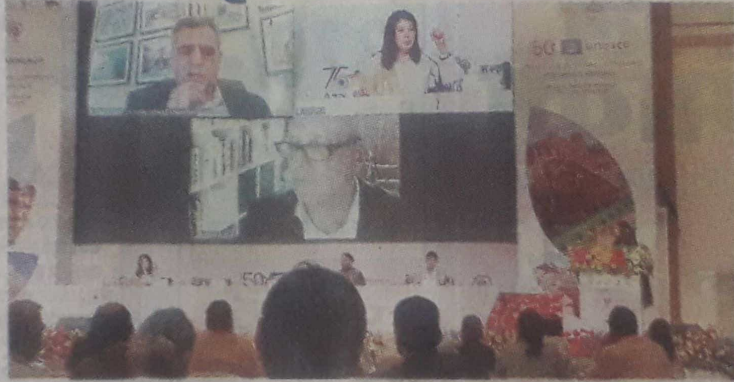


एंकर स्टोरी

6 देशों एवं यूनेस्को के प्रतिनिधियों ने तैयार किया डॉक्यूमेंट, फाइनल ड्राफ्ट को यूनेस्को देगा मंजूरी

मंथन से निकला अमृतरूपी 'द भोपाल विजन स्टेटमेंट', साथ एशियायी देशों की संस्कृति संरक्षण के लिए बनेगा मॉडल

जागरण सिटी रिपोर्टर। सांस्कृतिक व प्राकृतिक धरोहरों को सहेजने एवं भविष्य में इसकी चुनौतियों से पार पाने के उद्देश्य से भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यूनेस्को की सब रीजनल कॉन्फ्रेंस में हुए मंथन का अमृत 'द भोपाल विजन स्टेटमेंट' के रूप में निकलकर सामने आया। दो दिवसीय सम्मेलन में भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव एवं बांग्लादेश के प्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ पुरातत्वविदों ने यूनिसेफ के रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ कई सेशन में गहन चर्चा की, जिसके बाद यह डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। 'द भोपाल विजन स्टेटमेंट' से विश्व धरोहर संरक्षण को नया आयाम मिलेगा और जल्द ही यह साथ एशियाई देशों सहित पूरे विश्व में धरोहरों के संरक्षण के लिए एक मॉडल के रूप में बनकर तैयार होगा। 'द भोपाल विजन स्टेटमेंट'



में स्थानीय समुदाय और सिविल सोसायटी की विश्व विरासत संरक्षण में भूमिका और उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही विरासतों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक प्रथाओं में शामिल करना आदि महत्वपूर्ण विषयों पर भी

दक्षिण एशियाई देशों के प्रतिनिधियों के महत्वपूर्ण विचार एवं सुझाव शामिल किए गए हैं। इसमें प्रमुख रूप से लोगों एवं धरोहरों के बीच मजबूत संबंधों के माध्यम से ही सतत एवं स्थायी विकास को संभव बताया गया। इन्हीं विषयों पर तैयार इस स्टेटमेंट को भारत सरकार एवं यूनेस्को

एक फाइनल ड्राफ्ट तैयार करेंगे, जिसे मंजूरी मिलने के बाद पहले साथ एशियाई देशों में और फिर परिणाम के अनुरूप विश्वभर में सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए एक मॉडल के तौर पर लागू किया जाएगा।

थीमेटिक सेशन में विरासत और संस्कृति संरक्षण पर हुआ विचार : सम्मेलन के दौरान थीमेटिक सेशन में देशों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने विरासतों पर क्लाइमेट चेंज के प्रभाव, नई तकनीक से विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के विषय पर विचार मंथन किया। विश्व विरासत और सांस्कृतिक परिदृश्य थीम पर हुए सेशन में मेघालय से संजीव शंकर, दिसंबर खोंगसदम, मप्र पर्यटन से ओपी मिश्रा एवं डॉ. विशाखा कावथेकर, जाह्नवीज शर्मा ने अलग थीम पर विचार व्यक्त किए।